**Title**: Demand to protect the saints/priests of the Chhatarpur Mandir, Delhi and take the management of the temple from the Industrialists.

**श्रीमती फूलन देवी (मिर्जापुर) :** उपाध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद। हम एक हफ्ते से नोटिस दे रहे थे, लेकिन टाइम नहीं मिल रहा था। मैं दिल्ली के एक मैटर पर बोलना चाहती हूं। मैं आपके माध्यम से दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार से मांग करूंगी कि छतरपुर मंदिर में एक बाबा नागपाल थे। यह मामला पहले भी सांसदों ने उठाया था। बाबा नागपाल ने दुनिया से भीख मांग कर छतरपुर मंदिर का निर्माण कराया। उन्हें बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने चंदा दिया, इंदिरा जी जैसी महान हस्ती ने उन्हें चंदा दिया और उन्होने चंदे से छतरपुर मंदिर बनवाया। बाबा नागपाल जी का दो साल पहले इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल के बाद दिल्ली के बत्रा हास्पीटल का मालिक बत्रा वहां का फर्जी ट्रस्टी बन गया। वहां एक पुजारी सखी बाबा थे। बत्रा ने उनका राशन बंद कर दिया, उसे खुद को बंद कर दिया और वहां जो ब्राह्मण पुजारी थे, उन्हें वहां से मार-मार कर भगा दिया।

**उपाध्यक्ष महोदय :** यह कहां की बात है।

**श्रीमती फूलन देवी :** यह दिल्ली के छतरपुर मंदिर की बात है, जो एक विशाल मंदिर है। इसकी अरबो-खरबों रुप्ये की सम्पत्ति है, जिस पर उद्योगपति ने कब्जा कर लिया। यह बड़े दुख की बात है कि साधु-सन्यासियों के पूजा-पाठ की चीज पर उद्योगपति ने कब्जा कर लिया।

**उपाध्यक्ष महोदय :** यह स्टेट का मामला है।

**श्रीमती फूलन देवी :** यह बड़े दुख की बात है कि एक उद्योगपति उसका आजीवन ट्रस्टी बन गया। मेरी सरकार से मांग है कि इसकी जांच कराई जाए और बाबा नागपाल जी की हत्या कैसे हुई, .... * और वह उसका आजीवन ट्रस्टी बन गया। मंदिर साधु-सन्यासियों की चीज है। हमारे शहरी विकास मंत्री बड़ा अच्छा काम कर रहे हैं, क्या वह इस मंदिर को अपने कब्जे में नहीं ले सकते हैं। मंदिर को उद्योगपति से छीनकर सरकार अपने कब्जे में कर ले और साधु-सन्यासियों को सौंप दे। मैं बता देना चाहती हूं कि वहां किसी दिन बड़ा भारी संर्घा होगा। वहां से ब्राह्मणों को नंगा करके मार-मारकर भगाया गया है। ..... * बहुत बड़ा उद्योगपति है और वह मंदिर पर कब्जा कर रहा है और वहां से साधु-सन्यासियों को भगा रहा है।

**उपाध्यक्ष महोदय :** अब आप समाप्त कीजिए।

**श्री तरित बरण तोपदार (बैरकपुर) :** यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है, भगवान का मंदिर उद्योगपति के कब्जे में जा रहा है। राज ही ऐसा है कि भगवान भी उद्योगपति के कब्जे में जा रहे हैं।â€¦( व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is a State matter. Whatever it may be, you are provoking her further.